

The Seven Ages of Man

Textual Questions

Activity 1. Comprehension

A. Say whether the following statements are True or False. Write 'T' for true and 'F' for false:

बताइये कि निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत सही के लिए T व गलत के लिए F लिखें:

Question 1. One man in his lifetime plays only one part/role.

Question 2. An old man is full of strange oaths.

Question 3. An infant seeks the bubble reputation.

Question 4. Justice is one of the stages of human age.

Question 5. The last stage is called second childishness.

Question 6. An infant has a fair round belly.

Answers:

1. False
2. False
3. False
4. True
5. True
6. False

B. Answer to the following questions should not exceed 10-20 words each:

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 10-20 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

Question 1. Who is compared with a leopard?

किसकी तुलना एक तेंदुए से की गई है?

Answer: A soldier is compared with a leopard because a soldier is quick prompt and fast as a leopard. He is also bearded like a leopard.

एक सिपाही की तुलना एक तेंदुए से की गई है क्योंकि एक सिपाही तेंदुए की तरह फुर्तीला, तत्पर यानि उद्यत और तेज होता है। उसकी दाढ़ी भी तेंदुए के समान होती है।

Question 2. What is the role of a nurse?

एक आया (धाय) की क्या भूमिका होती है?

Answer: A nurse takes care of a crying and puking infant. An infant is always cared for by a nurse. It is her duty to look after the infant.

एक आया किसी रोते हुए और उल्टियाँ करते हुए शिशु की देखभाल करती है। एक शिशु की देखभाल हमेशा एक आया द्वारा की जाती है। शिशु की देखभाल करना उसका कर्तव्य है।

Question 3. Who sighs like a furnace?

एक भट्ठी या धोंकनी की तरह आहें कौन भरता है?

Answer: A lover sighs like a furnace. A lover is so much attached towards his beloved that he seems to sigh like a furnace.

एक प्रेमी एक भट्ठी या धोंकनी की तरह आहें भरता है। एक प्रेमी अपनी प्रेमिका की तरफ इस तरह दीवाना हो जाता है कि वह जलती भट्ठी के समान आहें भरती प्रतीत होता है।

Question 4. At what stage does a man wear spectacles on his nose?

किस अवस्था में आदमी अपनी नाक पर चश्मा पहनता है?

Answer: In the sixth stage, man's eyesight becomes weak so he wears spectacles on his nose. In this stage, he cannot see clearly without spectacles.

छठी अवस्था (चरण) में मनुष्य की आँखों की नजर कमजोर हो जाती है इसलिए वह अपनी नाक पर चश्मा पहनता है। इस अवस्था में वह चश्मे के बिना स्पष्टतया नहीं देख सकता है।

C. Answer to the following questions should not exceed 20-30 words each:

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20-30 शब्दों से अधिक न हो:

Question 1. What is the importance of repetition of the word 'sans'?

'sans' शब्द की पुनरावृत्ति का क्या महत्व है?

Answer: Repetition of the word 'sans' is important because it strengthens the comparison of the second childishness which means old age without teeth, eyes, taste etc. with childhood.

'Sans' शब्द की पुनरावृत्ति महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दूसरे बचपन बिना दाँतों, आँखों, स्वाद आदि के, की अर्थात् वृद्धावस्था की बचपन से तुलना को मजबूत बनाता है।

Question 2. Do you find any melancholy reference in the poem?

क्या आप इस कविता में कोई उदासीपूर्ण सन्दर्भ पाते हैं?

Answer: Yes in the last stanza of the poem there is melancholy references. These are.....Last scene....., That ends, and Is second childishness.....

हाँ, इस कविता के अन्तिम stanza में उदासीपूर्ण सन्दर्भ हैं। ये हैं-अन्तिम दृश्य वह समाप्त होता है, और दूसरा बचपन (वृद्धावस्था जो असहाय व पराश्रित है) है

Question 3. Pick out the similes from the poem.

कविता में से उपमाओं को छाँटकर लिखिए।

Answer: These are -creeping like a snail, sighing like furnace, bearded like the pard.

ये हैं- घोंघे की तरह रेंगते हुए, १.ठी या धोकनी की तरफ आहें भरते हुए, तेंदुए को तरह दाढ़ी रखे हुए।

D. Answer to the following questions should not exceed 30-40 words each:

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30-40 शब्दों से अधिक न हो:

Question 1. Describe the salient features of all the seven stages of a man's life.

किसी व्यक्ति के जीवन की सातों अवस्थाओं (चरण) की मुख्य विशेषताओं का वर्णन करिये।

Answer: In the first stage of a man's life, he is an infant. In the second stage, he is a schoolboy. In the third stage, he acts as a lover. In the fourth stage, he is a soldier. In the fifth stage, he acts as a judge. In the sixth stage, he becomes a thin comic figure. In the seventh stage, he becomes a child again.

किसी व्यक्ति के जीवन की प्रथम अवस्था (चरण) में वह एक शिशु होता है। दूसरी अवस्था में वह स्कूल जाने वाला एक बालक होता है। तीसरी अवस्था में वह एक प्रेमी के रूप में काम करता है।

चौथी अवस्था में वह एक सिपाही होता है। पाँचवीं अवस्था में वह एक न्यायाधीश की भूमिका में होता है। काठी अवस्था में वह पतला-दुबला एक हास्यास्पद प्राणी बन जाता है। सातवीं अवस्था में वह पुनः बच्चा जैसा बन जाता है।

Question 2. Pick out the use of metaphors from the text.

मूल कविता में से रूपक के प्रयोगों को छाँटिये।

Answer: Use of metaphors in the text:

- (a) All the world's a stage (सम्पूर्ण संसार एक रंगमंच है।)
- (b) All the men and women merely players (सभी पुरुष व महिलायें मात्र कलाकार हैं।)
- (c) Shining morning face (चमकता प्रातःकालीन चेहरा)
- (d) The bubble reputation (क्षणिक सम्मान)

Question 3. How does the poem represent a mature view of life?

यह कविता जीवन के परिपक्व विचार को किस प्रकार प्रस्तुत करती है?

Answer: The poem represents a mature view of life by comparing man's life to a drain and the world to a stage. To represent a mature view of life, the poet has divided man's life into seven stages-an infants, a schoolboy, a lover, a soldier, a justice, a pantaloon and an old man.

कविता मनुष्य जीवन की तुलना एक नाटक और संसार की तुलना: एक रंगमंच से करके जीवन के परिपक्व विचार प्रस्तुत करती है। जीवन के परिपक्व विचार को प्रस्तुत करने के लिए कवि ने मनुष्य के जीवन को सात अवस्थाओं में बाँटा है- शिशु, विद्यालयी बालक, प्रेमी, सिपाही, न्यायाधीश विदूषक और वृद्ध व्यक्ति।

Question 4. Explain how all the world is a stage in the context of the poem.

कविता के सन्दर्भ में सम्पूर्ण संसार एक रंग-मंच कैसे है, वर्णन कीजिए।

Answer: The world is a stage where men and women simply come and play the roles fixed for them. Just as actors in the drama enter and leave the stage after their performance, in the same way, men are born and die after playing different roles of life.

संसार एक रंगमंच है जहाँ पुरुष और महिलाएं आते हैं और (ईश्वर द्वारा) उनके लिए निश्चित की गई भूमिकाएं निभाते हैं। जिस प्रकार नाटक में अपनी भूमिका प्रस्तुत करने के लिये पात्र आते हैं और प्रस्तुति

के बाद चले जाते हैं उसी प्रकार, मनुष्य जन्म लेता है और जीवन की विभिन्न भूमिकाएँ निभाने के बाद मृत्यु को प्राप्त हो जाता है।

Question 5. Discuss Shakespeare as a minute observer of human life.

मानव जीवन के एक सूक्ष्म निरीक्षणकर्ता के रूप में शेक्सपियर का वर्णन करिये।

Answer: Shakespeare has portrayed the helpless state of an infant, a school boy's unwillingness to go to school, a lover's impatience, and abusive words of a soldier, wise maxims of a judge, loose trousers and spectacles, diminishing senses of an old man.

शेक्सपियर ने एक शिशु की असहाय स्थिति, एक विद्यालयी बालक के स्कूल नहीं जाने की मनोदशा, एक प्रेमी की अधीरता, एक सिपाही के भद्दे शब्दों के प्रयोग, एक न्यायाधीश द्वारा बुद्धिमत्तापूर्ण कहावतों के बोलने, एक विदूषक के ढीले-ढाले पैन्ट्स, चश्मा, और वृद्धावस्था की मन्द होती चेतना का बहुत ही वास्तविक वर्णन किया है।

Additional Questions

Answer to the following questions should not exceed 30-40 words each:

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30-40 शब्दों से अधिक न हो:

Question 1. Which is the second stage in a man's life?

मनुष्य के जीवन की दूसरी अवस्था कौन-सी है?

Answer: Childhood is the second stage in a man's life in which he acts like a schoolboy. He has a bag of books on his back. He goes to school unwillingly.

बचपन मानव-जीवन की दूसरी अवस्था है जिसमें मनुष्य को विद्यालय जाने वाले एक बालक के रूप में देखा जाता है। उसकी पीठ पर पुस्तकों से भरी बस्ता होता है। वह अनिच्छा से विद्यालय जाता है।

Question 2. What is meant by 'Slipperd Pantaloon'?

'Slipperd Pantaloon' का क्या अर्थ है?

Answer: Pantaloon is a comic character of Italian stage with loose fitting trousers. He is an old man who makes others laugh with his unusual dress, spectacles and slippers.

पेन्टालून (विदूषक) इटैलियन रंगमंच का एक हास्यास्पद चरित्र है जो ढीला पाजामा पहनता है। वह एक वृद्ध व्यक्ति है जो अपनी विचित्र पोशाक, चश्मा व चप्पलें पहने दूसरों को हँसाता है।

Question 3. What happens when a man reaches his last stage?

जब मनुष्य अपने जीवन की अंतिम अवस्था में पहुँचता है तो क्या होता है?

Answer: The last stage of man's life is second childhood. He loses his memory. He is without teeth, eyes, taste and everything. He soon leaves the stage of world forever.

मनुष्य के जीवन की अंतिम अवस्था, उसका दूसरा बचपन है। वह अपनी स्मृति खो बैठता है। न उसके दाँत होते हैं और न आँखें और न कोई स्वाद ही होता है। सच तो यह है कि उसके पास कुछ भी नहीं रहता है। वह शीघ्र ही संसार रूपी रंगमंच को छोड़कर चला जाता है।

Question 4. Justify the title "The Seven Ages of Man".

"The Seven Ages of Man" इस शीर्षक का औचित्य बताइये।

Answer: The poem describes the stages of a man's life from infancy to old age. Here, the poet compares man's life to a drama in which a person plays seven parts as he progresses through life. Men are born and they die in the same way as actors enter and leave the stage.

इस कविता में शैशव से वृद्धावस्था तक मानव-जीवन के विभिन्न चरणों का वर्णन किया गया है। यहाँ कवि मानव-जीवन की तुलना एक नाटक से करता है जिसमें एक व्यक्ति जैसे-जैसे जीवन में प्रगति करता है, वह सात भूमिकाएँ निभाता है। मनुष्य उसी प्रकार जन्म लेते हैं एवं मृत्यु को प्राप्त होते हैं जिस प्रकार अभिनेता मंच पर प्रवेश करते हैं और मंच को छोड़ते हैं।

Question 5. With what things has Shakespeare compared life?

शेक्सपियर ने जीवन की तुलना किन चीजों से की है?

Answer: Shakespeare has compared life to a drama and the world to a stage. He says that life is a drama enacted on the stage of the world. Men and women are born and they die just as actors and actresses who appear on the stage for a while and then quit forever.

शेक्सपियर ने जीवन की तुलना एक नाटक से की है और संसार की रंगमंच से की है। वे कहते हैं कि जीवन संसार रूपी रंगमंच पर प्रस्तुत किये जाने वाला एक नाटक है।

जिस प्रकार स्टेज पर अभिनेता और अभिनेत्रियाँ कुछ समय के लिये आते हैं फिर चले जाते हैं उसी तरह पुरुष और महिलाएँ जन्म लेकर संसार रूपी रंगमंच पर आते हैं और चले जाते हैं (अर्थात् मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं)।

Question 6. How does the man behave as an infant and a school boy? Explain.

एक व्यक्ति शिशु और एक विद्यालयी बालक के रूप में किस प्रकार व्यवहार करता है? वर्णन कीजिए।

Answer: The man's first role on the world stage begins as an infant. He always cries and vomits in the hands of his nurse in this stage. In the second stage, he is in the role of a school boy. In this stage, he is unwilling to go to school.

संसार के रंगमंच पर मनुष्य की भूमिका एक शिशु के रूप में आरम्भ होती है। इस अवस्था में वह अपनी नर्स (आया) के हाथों में हमेशा रोता-चिल्लाता और उल्टियाँ करता रहता है। दूसरी अवस्था में वह स्कूल जाने वाला एक बच्चा होता है। इस अवस्था में उसकी स्कूल जाने की इच्छा नहीं करती है।

Question 7. How does the man acts as a soldier on the world stage? Explain.

एक व्यक्ति सिपाही के रूप में संसार के रंगमंच पर अपनी भूमिको किस प्रकार प्रस्तुत करता है? वर्णन करिये।

OR

What does the man do in his fourth span of life? (Sample Paper 2018)

अपने जीवन की चौथी अवस्था में मनुष्य क्या करता है?

Answer: In his fourth span of life on the world's stage, the man plays the role of a soldier. In this role he is full of strange oaths. He is bearded like a leopard. He is very jealous about his honour. He is very quick and fast in picking a quarrel.

संसार रूपी रंगमंच पर अपनी चौथी अवस्था में मनुष्य एक सिपाही की भूमिका अदा करता है। इस भूमिका में वह विचित्र प्रकार की भद्दी भाषा का भरपूर प्रयोग करता है।

एक तेंदुए की तरह दाढ़ी रखता है। अपने सम्मान के प्रति वह अत्यधिक आक्रामक (अथवा संवेदनशील) होता है। वह झगड़ा करने के लिए एकदम तत्पर रहता है।

Question 8. What does the man do in the fifth span of life?

मनुष्य जीवन की पाँचवीं अवस्था में क्या करता है? (S. S. Exam 2018)

Answer: In the fifth span of life, man acts as a judge. He has a round belly and grows fat on receiving capons as bribe. He wears a severe look to show his strictness in doing justice. He speaks wise maxims illustrated with common stories and court cases.

जीवन की पाँचवी अवस्था में मनुष्य एक न्यायाधीश के रूप में कार्य करता है। उसकी गोल-मटोल तोंद होती है और वह रिश्तों के रूप में मोटे मुर्गों का मांस खाकर मोटा हो जाता है। न्याय करने में अपनी कठोरता जताने के लिए वह कठोर दृष्टि धारण कर लेता है। वह बुद्धिमत्तापूर्ण लोकोक्तियाँ बोलता है तथा मुकदमों एवं कहानियों में से दृष्टान्त देता है।

Question 9. "The sixth age shifts into the lean and slippered pantaloons." Elaborate.

"छठी अवस्था में मनुष्य दुबला-पतला, चप्पल पहने हुए, एक हास्यास्पद प्राणी (विदूषक) होता है।" वर्णन कीजिये।

Answer: The sixth stage of man changes into the thin and slippered funny old man. He wears spectacles on his nose. A soft fold of loose skin hangs down below his eyes. He uses shoes of his youthful days which are too big for his thin legs.

छठी अवस्था में मनुष्य एक दुबला-पतला, चप्पल पहने हुए एक हास्यप्रद वृद्ध (विदूषक) होता है। वह अपनी नाक पर चश्मा पहनता है। उसकी आँखों के नीचे माँस की थैलीनुमा आकृति लटकी होती है। अपनी युवावस्था के मोजे पहनता है। जो उसकी पतली-दुबली टाँगों के लिए अत्यधिक बड़े (ढीले-ढाले) हैं।

Question 10. "Seeking the bubble reputation. Even in the cannon's mouth." Which characteristic of the soldier do these lines represent?

ये पंक्तियाँ एक सिपाही की किन विशेषताओं का प्रतिनिधित्व करती हैं?

Answer: These lines represent the soldier's keen desire to win a momentary reputation at the cost of his life. The soldier tries to get reputation or fame which is a momentary as a bubble. He is desirous of winning fame.

ये पंक्तियाँ एक सिपाही की अपनी जान की कीमत पर क्षणिक सम्मान पाने की तीव्र इच्छा को व्यक्त करती हैं। एक सिपाही बुलबुले की भाँति क्षणिक सम्मान पाने का प्रयास करता है। वह प्रसिद्धि पाने का इच्छुक होता है।

Activity 2: Vocabulary

A. Look up Monologue, Dramatic Monologue & Soliloquy in a dictionary of literary terms. Differentiate between monologue & soliloquy.

एकालाप, नाटकीय एकालाप, और स्वगत भाषण को शब्दकोश में साहित्यिक सन्दर्भ में देखिए। एकालाप व स्वगत भाषण के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Answer: (A) Monologue:

A long speech by one person during a conversation that stops other people from speaking or expressing an opinion.

(B) Dramatic Monologue:

A dramatic story, especially in verse, told or performed by one person.

(C) Soliloquy:

A speech in a play in which a character who is alone on the stage, speaks his or her thoughts; the act of speaking thoughts in this way.

Difference between Monologue and soliloquy:

A monologue is delivered before the other actors present on the stage and they are meant to hear it. While soliloquy is delivered by a character who is alone on the stage and it means that only the audience hears it.

B. Blank Verse:

Blank verse is the poetry written with the help of regular metrical but unrhymed lines, almost in iambic pentameter. It is probably the most common form in English poetry. Like other famous writers, William Shakespeare wrote his plays and sonnets in blank verse and "The Seven Ages of Man" is a fine example.

अतुकान्त छन्द वह काव्य रचना है. जिसे regular मीटर की सहायता से किन्तु अतुकान्त पंक्तियों में लगभग iambic (छोटी एवं बड़ी मात्रा के जोड़े वाले) pentameter (पंचपदी छन्द) में लिखा जाता है। यह सम्भवतः अंग्रेजी काव्य में सर्वाधिक साधारण और प्रभावशाली तरीका (विधा) है। अन्य विख्यात लेखकों की भाँति शेक्सपियर ने अपने नाटक और Sonnets अतुकान्त छन्द में लिखे हैं और "The Seven Ages of Man" इसका एक बेहतरीन उदाहरण है।

Iambic Pentameter:

The term describes the rhythm the words form in a line of verse. It is measured in small groups of syllables called "feet". In English, the word iambic" refers to the types of the foot which has an unstressed syllable followed by a stressed syllable. Pentameter means that a line has five such "feet".

Iambic rhythms come relatively naturally in English. A standard line of 'Iambic pentameter has five iambic "feet" in a row: (from William Shakespeare's Sonnet 2) When I do count the clock that tells the time. (Notation/scansion of a standard line in iambic pentameter).'

Iambic Pentameter:

यह उस लय का वर्णन करता है जो किसी पंक्ति में प्रयुक्त शब्दों द्वारा उत्पन्न होती है। इसे मात्राओं के छोटे-छोटे समूहों, जिन्हें "पद" कहते हैं, से नापा (measure) जाता है। अंग्रेजी में iambic शब्द पद (foot) के उस प्रकार को इंगित करता है जिसमें एक बल रहित मात्रा से पहले एक बलीय मात्रा आती है। Pentameter का अर्थ है कि एक पंक्ति में ऐसे पाँच पद होते हैं। Iambic Pentameter वाली एक स्टैण्डर्ड पंक्ति में एक row में पाँच iambic "पद" होते हैं।

Monologue:

When, on the stage, there is one speaker only and the rest are the listeners but they do exist. The dramatic monologue was popularized by Robert Browning.

एकालाप (स्वकथन):

जब मंच पर सिर्फ एक वक्ता होता है और शेष श्रोता होते हैं लेकिन वे मौजूद होते हैं। एकल संवाद को Robert Browning के द्वारा लोकप्रियता मिली।

Soliloquy:

It is different from the monologue. It is a method, stage technique, often used in drama when a character speaks to himself or herself. He shares the thoughts or feelings with the audience. The other characters keep silent and/or disregarded by the speaker. Shakespeare has used some of the most powerful soliloquies in his plays namely Othello, Macbeth, Hamlet, Julius Caesar and many other plays.

स्वगत भाषण या कथन:

यह एकालाप से भिन्न होता है। यह अधिकांशतः नाटक में प्रयुक्त एक विधि है, मंच तकनीक है जो तब प्रयुक्त होती है जब कोई पात्र स्वयं से बातें करता/करती है। वह विचारों अथवा भावनाओं को श्रोताओं के साथ बाँटता है।

अन्य पात्र चुप रहते हैं और/या वक्ता के द्वारा उपेक्षित रहते हैं। शेक्सपियर ने सर्वाधिक प्रभावशाली कुछ स्वगत भाषणों अथवा कथनों का प्रयोग अपने ओथेलो, मैकबेथ, हैमलेट, जूलियस सीजर व अन्य बहुत से नाटकों में किया है।

Cataloguing:

It means listing of things on a certain topic or issue. Notice how melancholy Jacques catalogues the seven stages of human life.

सूचीबद्ध करना:

इसका अर्थ है किसी निश्चित शीर्षक या विषय पर चीजों की सूची बनाना। ध्यान दीजिये कि विषादग्रस्त (चिन्ताग्रस्त) जेक्स किस प्रकार मानव जीवन की सात अवस्थाओं (चरणों या काल) को सूचीबद्ध (सूची बनाना) करता है।

Tragi-Comedy:

William Shakespeare has not written pure comedies or tragedies. Comic scenes appear in tragedies while tragic scenes appear in comedies for example role of Fool in 'King Lear' or Melancholy Jacques in 'As You Like It'.

This enhances the effect of comic scenes as well as tragic scenes by way of contrast against each other. Moreover, Shakespeare imitated the world or human nature where one person's gain is the loss of another and joys and sorrows are not separated but intermingled.

दुःखान्त-सुखान्त:

शेक्सपियर ने विशुद्ध रूप से (पूर्ण रूप से) सुखान्त या दुखान्त नाटक नहीं लिखे हैं। दुखान्त नाटकों में हँसी के दृश्य मिलते हैं जबकि सुखान्त नाटकों में दुखद दृश्य मिलते हैं। उदाहरण के लिए 'King Lear' में मूर्ख की भूमिका या 'As You Like It' में जेक्स की भूमिका।

इस विरोधाभास के माध्यम से यह सुखान्त व दुखान्त दृश्यों के प्रभाव को बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त शेक्सपियर ने उस स्थिति में संसार या मानव स्वभाव का अनुकरण किया है जहाँ एक व्यक्ति का लाभ दूसरे व्यक्ति की हानि है, और खुशियों व दुखों को अलग-अलग नहीं रखा है बल्कि एक-दूसरे को परस्पर मिलाया है।

Activity 3: Speech Activity

The king along with his followers including Jacques has been banished from the kingdom and living in a forest where these philosophical ideas about human misery are expressed. Observe various stages of a man's life in your neighbourhood. Try to correlate them with the description given in the poem and prepare a speech based on your observation for your class.

राजा को उसके समर्थकों सहित जिनमें जेक्स भी शामिल है, राज्य से निकाल दिया जाता है और वे जंगल में रहते हैं जहाँ मानव कष्टों (दुखों) के विषय में दार्शनिक विचार व्यक्त किये गए हैं। अपने पड़ोस में मनुष्य के जीवन की विभिन्न अवस्थाओं पर नजर डालिये। कविता में दिये गए वर्णन के साथ उन्हें सम्बद्ध करने का प्रयास कीजिए और अपनी कक्षा में प्रस्तुत करने हेतु अपने निरीक्षण के आधार पर एक 'भाषण तैयार

करिये।

Answer: My dear classmates, today I am going to present my views on various stages of a man's life as described by Shakespeare in the poem 'As You Like It'. When I see Monu, an infant in my neighbourhood, crying and puking in the arms of his nurse, I feel that in this stage man is really totally dependent on others.

And Monu's elder brother who is never willing to go to school reminds me of the complaining schoolboy of the poem. And whenever I see Jeetu's grandfather without teeth, eyes, taste etc, lying on the bed, I feel that Shakespeare has rightly divided man's life into seven stages.

Thank you

Activity 4: Composition

Question 1. Write an article for your school magazine on 'The person who impressed me most'.

अपने स्कूल की पत्रिका में प्रकाशन हेतु 'व्यक्ति जिसने मुझे सर्वाधिक प्रभावित किया' विषय पर एक लेख लेखिये।

Answer: Article:

The person who impressed me most:

The person who impressed me most was Dr A.P.J. Abul Kalam. He was a renowned scientist. He came to be known as the Missile Man of India for his work on the development of ballistic missile and launch vehicle technology.

He became the 11th President of India in the year 2002 and continued till 2007. He was the recipient of many Prestigious awards including, Bharat Ratna in 1997.

He lived his life with great simplicity. He wrote many books. He was a man of strong will power. He died on July 27, 2015.

Question 2. Write your arguments in favour of 'Man is the Centre of the Universe.'

Answer: Gifted with great intelligence and tact, man has brought all creation under his absolute control. However, it is now evident from what the world has come to, today, that wisdom and discretion should have been the rule for man to continue his dominance. After all, if a man has to continue God has made man in his own image and expects him to be responsible for his deeds.